अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 26-08-2021

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

संजाया–25

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) सामायिक चारित्र–सन्निकर्ष द्वार।

(ख) सूक्ष्म संपराय चारित्र–प्रव्रज्या द्वार।

(ग) छेदोपस्थापनीय चारित्र–परिणाम द्वार।

(घ) परिहार विशुद्धि चारित्र–आकर्ष द्वार।

(ङ) यथाख्यात चारित्र–ज्ञान द्वार।

(च) परिहार विशुद्धि चारित्र–काल द्वार।

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6

(क) तीर्थी किसे कहते हैं?

(ख) महाविदेह में कौन-से चार कल्प अनिवार्य होते हैं?

(ग) परिहार विशुद्धि से सामायिक तथा छेदोपस्थापनीय की शुद्धि अनंत गुण अधिक क्यों बताई है?

(घ) ग्यारहवें, बारहवें गुणस्थान में वेदन कितने व कौन से कर्मों का होता है?

(ङ) जीव कब-कब अनाहारक होता है?

(च) 'प्रत्येक' शब्द को परिभाषित करें?

(छ) सन्निकर्ष किसे कहते हैं?

(ज) द्रव्यलिंग के तीन प्रकार के नाम बताएं?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) पल्योपम से आप क्या समझते हैं?

(ख) अनेक जीवों की अपेक्षा परिहार-विशुद्धि चारित्र की जघन्य और उत्कृष्ट स्थिति किस प्रकार बनती है?

(ग) षट्स्थान पतित से आप क्या समझते हैं तथा उनके छह स्थान का नाम बताएं?

(घ) कल्प किसे कहते हैं वे कितने प्रकार के होते हैं नाम बताएं?

(ङ) सूक्ष्म संपराय चारित्र उत्कृष्ट कितनी बार प्राप्त हो सकता है? और कैसे?

नियंठा–25

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 7

(क) 'बकुश' शब्द से आप क्या समझते हैं?

(ख) आसेवन पुलाक से क्या तात्पर्य है?

(ग) हीयमान, वर्धमान और अवस्थित से आप क्या समझते हैं?

(घ) प्रकट रूप में दोष लगाना कौन-सा बकुश है?

(ङ) नौवां गुणस्थान सवेदी या अवेदी है?

(च) समस्त साधुओं की संख्या तथा पुलाक साधु की संख्या कितनी है?

(छ) पुलाक, बकुश, प्रतिसेवना में ज्ञान के कितने विकल्प पाते हैं एवं कौन से?

(ज) 'स्थिति द्वार'–निर्ग्रंथ में एक जीव की अपेक्षा जघन्य एक समय किस अपेक्षा से लिया गया है?

(झ) स्नातक के पांच प्रकार के नाम बताएं।

प्र. 5 कोई छह द्वार लिखें– 18

(क) कषाय कुशील–वेद द्वार

(ख) बकुश–काल द्वार

(ग) पुलाक–परिणाम-स्थिति

(घ) निर्ग्रंथ–सन्निकर्ष

(ङ) प्रतिसेवना–स्थिति द्वार

(च) स्नातक–क्षेत्र द्वार

(छ) निर्ग्रंथ–प्रव्रज्या द्वार

(ज) बकुश–आकर्ष द्वार।

गीतिका-नियंठा दिग्दर्शन–10

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) भगवान ने ज्ञाता सूत्र में किसको मिथ्यात्वी कहा है?

(ख) अविनीत पुरुष कौन होता है?

(ग) कषाय कुशील निर्ग्रंथ में कितनी लेश्या, शरीर व कितने समुद्घात होते हैं?

प्र. 7 कोई दो पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 8

(क) कषाय–कुशील..... छ होय।।

(ख) पुलाक–बकुस..... दृष्टान्त जाण।।

(ग) हयरूप करी..... पंचमो जोय।।

(घ) सांभल न्याय..... काली जोय।।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–40

प्र. 8 सभी प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) पच्चीस बोल–दसवां बोल ***'अथवा'*** पांचवा बोल। 3

(ख) पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–सोलहवां बोल ***'अथवा'*** ग्यारहवां बोल। 3

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा–उन्नीसवां बोल ***'अथवा'*** तीसरा बोल। 3

(घ) तत्त्व चर्चा–छह द्रव्यों में रूपी अरूपी ***'अथवा'*** धर्म पर चर्चा। 3

(ङ) कर्म प्रकृति–असातवेदनीय कर्म बन्ध के हेतु ***'अथवा'*** दर्शन मोह की प्रकृतियों का कार्य एवं स्थिति। 4

(च) जैन तत्त्व प्रवेश–परमात्म द्वार ***'अथवा'*** सामान्य गुण। 4

(छ) जैन तत्त्व प्रवेश–श्रावक गुण द्वार ***'अथवा'*** सम्यक्त्व के पांच दूषण अर्थ सहित। 4

(ज) इक्कीस द्वार–त्रीन्द्रिय ***'अथवा'*** कृष्ण लेश्यी का पूरा द्वार लिखें। 4

(झ) बावन बोल–पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ति कितने भाव कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन ***'अथवा'*** उदय के तैतीस बोलों में कौन-कौन आत्मा? 4

(ञ) लघु दण्डक–अज्ञान द्वार ***'अथवा'*** युगलियों की स्थिति। 4

(ट) पांच ज्ञान–मतिज्ञान श्रुतज्ञान में भेद ***'अथवा'*** कालिकी उपदेश लिखें। 4